



Ashutosh Mishra



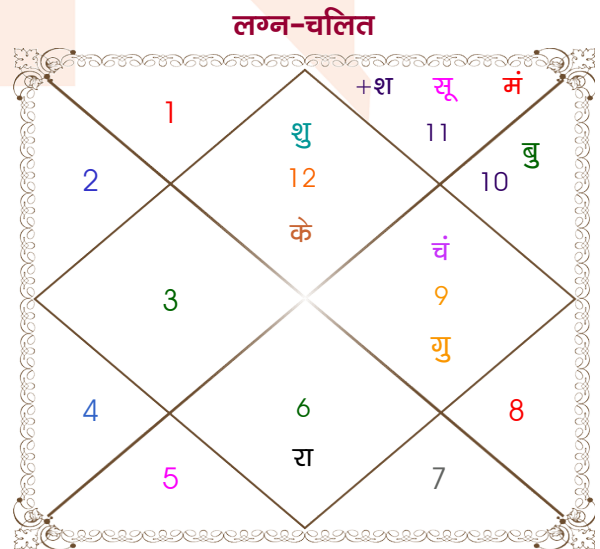
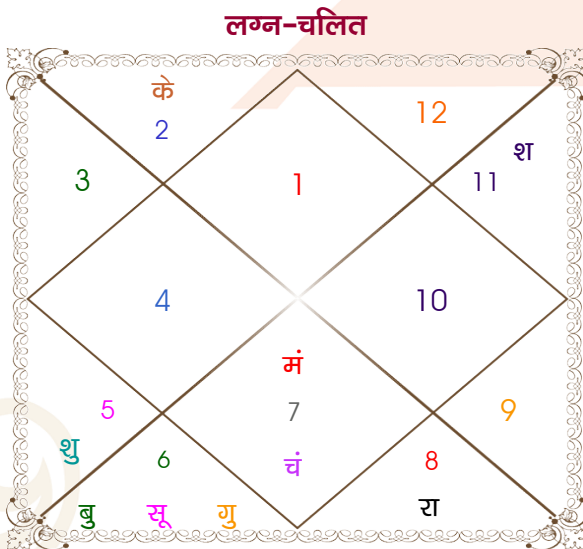
Soni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120771906

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग _____
 18/09/1993 : _____ जन्म तिथि _____ : 15/02/1996
 शनिवार : _____ दिन _____ : गुरुवार
 घंटे 19:55:00 : _____ जन्म समय _____ : 08:40:00 घंटे
 घंटे 35:22:58 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 05:09:12 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Basti : _____ स्थान _____ : Mirzapur
 26:48:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 25:09:00 उत्तर
 82:44:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 82:34:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:00:56 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : 00:00:16 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:45:48 : _____ सूर्योदय _____ : 06:35:09
 18:00:15 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:52:58
 23:46:25 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:48:18

विंशोत्तरी राहु 17वर्ष 7मा 9दि गुरु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 2वर्ष 6मा 26दि चन्द्र	
29/04/2011		01:54:34	कन्या	सूर्य	कुंभ	01:54:34	11/09/2024	
29/04/2027		06:57:25	तुला	चंद्र	धनु	08:26:08	11/09/2034	
		00:32:07	तुला	मंगल	कुंभ	05:54:34		
गुरु	16/06/2013	17:53:31	कन्या	बुध	मक	06:12:55	चन्द्र	12/07/2025
शनि	28/12/2015	24:53:48	कन्या	गुरु	धनु	15:16:13	मंगल	10/02/2026
बुध	04/04/2018	02:34:51	सिंह	शुक्र	मीन	13:18:02	राहु	12/08/2027
केतु	11/03/2019	01:06:36	कुंभ व	शनि	कुंभ	29:50:20	गुरु	11/12/2028
शुक्र	09/11/2021	11:48:51	वृश्चि व	राहु व	कन्या	24:48:06	शनि	12/07/2030
सूर्य	28/08/2022	11:48:51	वृष व	केतु व	मीन	24:48:06	बुध	12/12/2031
चन्द्र	28/12/2023	24:29:15	धनु व	हर्ष	मक	08:09:18	केतु	12/07/2032
मंगल	03/12/2024	24:38:21	धनु व	नेप	मक	02:32:35	शुक्र	12/03/2034
राहु	29/04/2027	29:33:10	तुला	प्लूटो	वृश्चि	09:11:47	सूर्य	11/09/2034



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.00		

गोनजवी डपेतं का वर्ग मृग है तथा Soni का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार गोनजवी डपेतं और Soni का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

गोनजवी डपेतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र गोनजवी डपेतं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Soni मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुण्डली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुण्डली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Soni कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि गीनजवी डपेतं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

गीनजवी डपेतं तथा Soni में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

